30 करोड़ साल पुराना जंगल मिला

पुराजीव वैज्ञानिकों ने ज्वालामुखी के लावे में दफन एक पूरा का पूरा जंगल खोजा निकाला है। यह जंगल उत्तरी चीन के एक हिस्से में खुदाई के दौरान उभरा है। यह इलाका करीब 30 करोड़ साल पूर्व एक ज्वालामुखी के लावे में दफन हो गया था। इस मायने में यह एक टाइम केप्सूल जैसा प्रतीत होता है।

पुराजीव वैज्ञानिक आम तौर पर किसी इलाके में पाए गए जीवाश्मों के आधार पर वहां अतीत में मौजूद रही इकॉलॉजी का खाका तैयार करते हैं। प्रायः ऐसे जीवाश्म बाढ़ आने पर गाद में दब गए जीवों के होते हैं। मगर बाढ़ की समस्या यह होती है कि वह अपने साथ अन्य इलाकों के जीवों को बहाकर लाती भी है और उस इलाके के जीवों को बहाकर कहीं और ले भी जाती है। अतः इस तरह के जीवाश्मों के बारे में यह कहना मुश्किल होता है कि क्या उनसे सम्बंधित जीव एक साथ एक ही समय पर उस इलाके में रहते होंगे।

मगर ज्वालामुखी के लावे की बात अलग है। यह लावा जब फैलता है तो धीरे-धीरे फैलता है और पूरे के पूरे इकोसिस्टम को ढंककर संरक्षित कर देता है। उत्तरी चीन में उक्त जीवाश्म जंगल की खोज पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के हरमन फेफरकॉन और उनके साथियों ने की है। यह जंगल जिस चट्टान की खुदाई में मिला है उसकी उम्र लगभग 30 करोड़ साल आंकी गई है।

शोधकर्ताओं ने जीवाश्मों के विश्लेषण के आधार पर 1000 वर्ग मीटर में फैले इस जंगल का जो खाका तैयार किया है उससे लगता है कि यहां 6 अलग-अलग समूहों के पेड़-पौधों की प्रजातियां पाई जाती थीं। ऐसा नहीं है कि ये प्रजातियां पहले से ज्ञात नहीं थी मगर यह पहली बार स्पष्ट हुआ है कि ये सब साथ-साथ एक ही जगह पर पाई जाती थीं। अधिकांश पेड़-पौधे वृक्ष फर्न हैं मगर उनके साथ बड़े-बड़े वृक्ष भी पाए गए हैं। लताओं के अलावा वहां के जंगल में एक विचित्र समूह के पेड़ भी होते थे जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मत है कि वे शुरुआती फर्न के सम्बंधी हैं।

(स्रोत फीचर्स)

चीन में खुदाई में मिले जीवाश्म जंगल का एक कलाकार द्वारा निर्मित चित्र